भारतवर्ष में कम्प्यूटर का उपयोग
(Computer Use in India)

शिक्षा के उद्देश्य की दृष्टि से कम्प्यूटर का प्रयोग विकसित देशों के लिए अधिक प्रसार हुआ है। सस्ते माइक्रो कम्प्यूटर के आने से यह और भी विश्व के देशों में फैल जायेगा। इन विकसित देशों में इस प्रकार की तकनीकी का प्रयोग शैक्षिक संस्थानों में किया जाने लगेगा। उदाहरण के लिए कम्प्यूटर, कनाडा और ग्रेट ब्रिटेन के मुक्त विश्वविद्यालयों में निदानात्मक पृष्ठपोषण, उपचारात्मक सहायता एवं अन्य प्रकार की सहायता में लगाया जाता है। अंग्रेजी के उपचार के लिए कनाडा के विश्वविद्यालय ने दो प्रकार की योजना को तैयार किया है। भारतवर्ष में दूरवर्ती शिक्षा के अन्तर्गत कम्प्यूटर द्वारा अनुदेशन एक नवीन प्रवर्तन है। इसमें कम्प्यूटर का प्रयोग आरम्भ से ही किया जाने लगा है।

कम्प्यूटर की साक्षरता एवं विद्यालय में अध्ययन
(The Computer Literacy and Studies in School)

इस प्रकार की योजना (1983-84) में भारत में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा आरम्भ किया गया। इस प्रकार का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों को कम्प्यूटर की प्रणाली से परिचित करना तथा इसके माध्यम से अधिगम की प्रक्रिया को सम्पादित करना है।

इस कार्यक्रम को 248 चुने हुए माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रयोग किया गया। प्राथमिक रूप से इसको राजकीय विद्यालयों के लिए प्रयोग किया गया, जिसमें सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से गरीब छात्रों को सम्मिलित किया गया, ऐसे संस्थान सीमित साधनों से युक्त थे। इसके बाद (1987-88) के मध्य 500 विद्यालयों को और सम्मिलित करने का प्रस्ताव किया गया।

इस परियोजना के लिए हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर आयामों को ब्रिटेन से प्राप्त किया गया है। इस परियोजना के लिए विभिन्न केन्द्रों पर 3180 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया था।

अहमदाबाद के स्पेस एप्लीकेशन केन्द्र ने 250 विद्यालयों में एक अध्ययन किया, जिसके द्वारा इस कार्यक्रम में प्रभावशीलता के लिये नये वातावरण की तैयारी की गई। राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् ने भी यह पाया कि इस प्रकार का कार्यक्रम छात्रों एवं शिक्षकों में अधिक उत्सुकता उत्पन्न करता है तथा उन्हें उत्साहित करता है।

Scanned with CamScanner

कम्प्यूटर-आधारित अधिगम
(Computer-Based Learning—CBL)

कम्प्यूटर आधारित अधिगम में शिक्षा वातावरण हेतु कम्प्यूटर प्रमुख घटक होता है। कक्षा शिक्षण में व्यापक रूप में कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है जिससे वातावरण के स्वरूप का सृजन किया जाता है। कम्प्यूटर का उपयोग शिक्षण अधिगम के लिए किया जाता है। इस प्रत्यय का उपयोग दूरवर्ती शिक्षा में किया जाता है। कम्प्यूटर में वेबसाइट का भी उपयोग किया जाता है। इस अधिगम में मुख्य रूप में इण्टरनेट प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर-आधारित प्रशिक्षण
(Computer-Based Training—CBT)

इसके अन्तर्गत प्रशिक्षण कम्प्यूटर की सहायता से दिया जाता है। कम्प्यूटर की सहायता से विशिष्ट कार्यक्रमों का संचार प्रशिक्षण हेतु किया जाता है। कम्प्यूटर का उपयोग प्रशिक्षण में प्रभावशाली होता है। कम्प्यूटर आधारित प्रशिक्षण के अन्तर्गत अन्य माध्यमों व प्रविधियों को सम्मिलित करके भी प्रयुक्त करते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण की प्रविधि का विकास अन्य स्रोतों के विकसित होने के कारण नहीं हो सका है। इसके लिए अन्य स्रोतों की आवश्यकता होती है। विशेषकर हार्डवियर तथा सॉफ्टवेयर आयामों की आवश्यकता होती है। सीडी रोम का उपयोग अधिक व्यवहारिक बना देता है। कम्प्यूटर का उपयोग अनुवर्ग शिक्षण में वेब-आधारित प्रशिक्षण से किया जाता है तथा इण्टरनेट प्रणाली की भी सहायता ली जाती है। वेब साइट से अन्तःप्रक्रिया भी होती है। विडियो सम्मेलन की सहायता से वाद-विवाद भी किया जाता है। वेबसाइट आधारित प्रशिक्षण में अभ्यर्थी अपनी गति से सीखता है। इसको किसी माध्यम से जोड़ दिया जाता है। ऑन-लाइन परीक्षण तथा मूल्यांकन भी किया जाता है।

Scanned with CamScanner